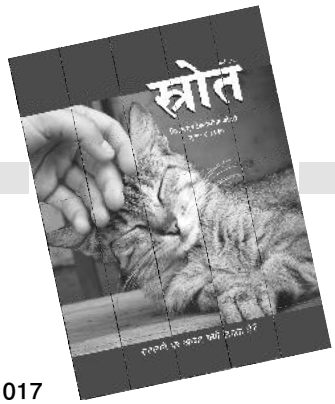

स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

मार्च 2013

वर्ष-7 अंक-03 (पूर्णांक 290)

संपादन एवं संचालन

एकलव्य

ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,

शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016

फोनः 0755 - 2550976 0755 - 2671017

ई-मेलःsrote@eklavya.in, srotefeatures@gmail.com

www.eklavya.in

संपादक

सुशील जोशी

सहायक संपादक

अफसाना पठान

अम्बरीष सोनी

उत्पादन सहयोग

इंदु नायर जितेंद्र ठाकुर

राकेश खत्री कमलेश यादव

वितरण

कायनात ज़र्रीन

वार्षिक चंदा

व्यक्तिगत 150 रुपए

संस्थागत 300 रुपए

एक प्रति 15 रुपए

चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

निडर लोगों में डर पैदा करने में सफलता		2
सहलाने पर अच्छा क्यों लगता है?		2
सजीवों के वर्गीकरण को बदल देने वाले - कार्ल वोज़	डॉ. अरविंद गुप्ते	4
आदिवासियों के हाथों में सूक्ष्मदर्शी	जानकी लेनिन	7
कैसे बचाएं फसलों को पाले से	डॉ. किशोर पंवार	10
भोपाल में मेडिकल अनुसंधान क्यों रुका?	डॉ. सत्यमाला एवं जयप्रकाश	12
आवर्त सारणी में मेंडलीव का योगदान	नवनीत कुमार गुप्ता	16
प्राथमिक शिक्षा से शुरू लोकतंत्र का प्रशिक्षण	भारत डोगरा	19
सौर-विद्युत सेल की क्षमता में इज़ाफा		20
पौधों को ज़्यादा छुएं तो फूल देर से आते हैं	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	21
दोहा वार्ताः जलवायु परिवर्तन पर सालाना पिकनिक	के. जयलक्ष्मी	23
मनुष्य जनित कारणों से भी आ सकते हैं भूकंप	भारत डोगरा	27
ततैया की इल्ली और एंटीबायोटिक		28
जाति व्यवस्था - दक्षिण भारत का एक देशी आविकार?	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	29
पृथ्वी का सर्वनाश करेगा बढ़ता प्रदूषण	डॉ. महेश परिमल	31
सोना इकट्ठा करने वाले बैक्टीरिया		32
अल्ज़ाइमर से सम्बंधित नई खोज	डॉ. दिनेश मणि	33
कुष्ठ का कीटाणु कोशिकाओं को बदल देता है		34
बड़े जानवर कैंसर से महफूज़ रहते हैं		34
आकाश की ऊंचाइयों में सूक्ष्मजीव और जलवायु		35
नींद में खलल और याददाश्त		36
कुत्ते हमारे वफादार कैसे बने?		37

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है। यहां प्रकाशित सामग्री का उपयोग गैर व्यावसायिक कार्यों के लिए करने हेतु किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। स्रोत का उल्लेख अवश्य करें।